सेवा पथिक

इन्दौर (मालवा प्रांत) का त्रैमासिक प्रकाशन

पंजीयन क्र. MPHIN/2012/43472

वर्ष 12 अंक 3 वि.स. 2081 ✿ 01 जुलाई से 30 सितम्बर 2024 ✿ सेवा भारती मालवा प्रांत

झलकियाँ

सेवा भारती उज्जैन द्वारा राजेंद्र नगर, एकता नगर क्षेत्र में ब्यूटी पार्लर प्रकल्प का शुभारंभ किया गया।

सेवा भारती द्वारा संचालित बाल शिक्षा केन्द्र नवलपुरा बड़वानी में बच्चों ने बनाई भगवान गणेश जी की मूर्तियाँ।

सेवा भारती नीमच द्वारा संचालित कल्पना चावला किशोरी विकास प्रकल्प की बालिकाओं मीनाक्षी तथा प्रीति द्वारा शिव बस्ती में श्री गणेश जी की मिट्टी की मूर्ति बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। ग्वालटोली में रहने वाले कुम्हार भाईयों ने इस प्रशिक्षण के लिए बहुत ही कम मूल्य पर मिट्टी उपलब्ध कराई।

विक्रमादित्य बस्ती, घासमंडी उज्जैन पर स्वतंत्रता दिवस पर कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें उपस्थित श्रमिक वर्ग के बन्धुओं के बीच उनके द्वारा ही झंडावंदन करवाया गया। इस सम्मान को पाकर उनका पूरा समूह भावविभोर हुआ।

सेवा भारती नीमच द्वारा संचालित कन्या छात्रावास 'सेवा मंदिर' की पालक समिति सदस्य शिवा जी मित्तल व ज्योति जी जैन द्वारा छात्रावास की बालिकाओं को अचार बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

सेवा भारती ब्रम्हपुर द्वारा जिले में तिलक हॉल, पांडुमल चौराहा स्थित प्रथम सिलाई केंद्र का शुभारंभ ओम जी सिसोदिया (क्षेत्र सेवा प्रमुख) व रविंद्र जी मालवीया (मालवा प्रांत संगठन मंत्री) की उपस्थिति में हुआ।

सेवा पथिक
त्रैमासिक पत्रिका

इन्दौर मालवा प्रांत का
मुखपत्र

विक्रम संवत् 2080
1 जुलाई से 30 सितम्बर 2024
वर्ष 12 अंक 3

संपादक

रमेशचन्द चौहान
262 ए, पार्श्वनाथ नगर,
इन्दौर

संपादकीय कार्यालय
76, अर्चना, रामबाग, इन्दौर
म.प्र.

प्रकाशक
ओम प्रकाश अग्रवाल

मुद्रक
मुद्रांकण ऑफसेट
36, जूना, तुकोगंज, इन्दौर

संपादकीय.....

'सेवा साध्य भी है और साधन भी, केवल सेवा के लिए ही सेवा उसका अर्थ नहीं है। सेवा स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि समाज का प्रत्येक घटक मेरी बराबरी का हो, इसके लिए समाज के घटक को यह विश्वास रहे कि इस विशाल दुनिया में वह अकेला नहीं है, संकटों में सब लोग उसके साथ हैं। इस सिंहत्व जागृति के लिए ही सेवा है।

परमपूज्य सरसंघचालक जी के इन कथनों का अनुसरण करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयं सेवक एवम सेवा भारती के कार्यकर्ता अपनी निष्ठा, कर्मठता, समर्पण भावना से ग्रामीण जनजातीय क्षेत्रों, नगरीय छोटी बस्तियों तथा नगरीय क्षेत्रों में शिक्षा, संस्कार, स्वास्थ्य, सामाजिक एवं स्वावलंबन आयामों के अंतर्गत संचालित छोटे-बड़े सेवा प्रकल्पों के माध्यम से समाज के वंचित, अभावग्रस्त, उपेक्षित एवं पीड़ित बंधुओं के जीवन में परिवर्तन लाने हेतु प्रयासरत हैं।

पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई की जयंती के 300 वें वर्ष के पावन अवसर पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए समस्त समाज उनके दिखाये गए सादगी, चारित्र्य, धर्मनिष्ठा और राष्ट्रीय स्वाभिमान के पथ पर अग्रसर होकर सेवा कार्य करें । इसी कड़ी में सितम्बर माह में राष्ट्रीय सेवा भारती के उपक्रम सुपोषण जागरूकता अभियान को सुपोषण सप्ताह के रूप में पूरे मालवा प्रांत में वृहद स्तर पर चलाया गया।

'सेवा पथिक' मालवा प्रांत में होने वाले कुछ चयनित सेवा कार्यों को आपके समक्ष पहुंचाने का एक छोटा सा प्रयास है। हमारे सेवा कार्यों से आज का सेवा लेने वाला, सामर्थ्यवान और स्वावलंबी होकर, कल का सेवा देने वाला बन जाए, सेवित जनों में आत्मविश्वास एवम सेवा भाव जाग्रत हो इसी विचार के साथ यह अंक स्वयंसेवकों व सेवा भारती के कार्यकर्ताओं के परिश्रम का प्रतिफल है।

देश की महिला शासक अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के अवसर पर विशेष

इतिहास के उत्तर-मध्यकालीन भारत में जब स्त्रियों का स्थान गौण था, स्त्रियों को इतने पर्दे में रखा जाता था कि सूर्य की किरणें भी उन्हें छू न सकें। ऐसे समय में अहिल्याबाई होल्कर का मध्य प्रदेश के मालवा के इन्दौर में शासक बन कर सत्ता चलाना एक चुनौती भरा कार्य था, उन्होंने कुशलतापूर्वक अट्ठाइस वर्ष तक शासन किया। इन्हें भारत के इतिहास में न केवल अपने साहस के लिए अपितु महिला सशक्तिकरण, समाज सुधार और कई क्रान्तिकारी निर्णयों के लिए याद किया जाता है।

महिलाओं को आगे लाने का महत्वपूर्ण काम किया

देवी अहिल्या ने समाज में महिलाओं को उचित स्थान दिलाया। नारी शक्ति का भरपूर उपयोग करते हुए अपने नेतृत्व में महिला सेना बनाई । वे स्वयं भी पति के साथ रण क्षेत्र में जाया करती थी। सेना की महिलाओं को प्रशिक्षण दिया और युद्ध कौशल भी सिखाए। महिलाओं के मान-सम्मान का बड़ा ध्यान रखा, अपने शासन काल में, उन्होंने नदियों पर जो स्नान घाट बनवाएं उनमें महिलाओं के लिए स्नान की अलग व्यवस्था की। लड़कियों को पढ़ानें लिखाने का जो घरों में थोड़ा सा चलन था, उससे विस्तार दिया। उन्होंने विधवा महिलाओं की स्थिति सुधारने के लिए उस समय बनाए गए कानून में बदलाव किए। विधवा महिलाओं को अपने पति की संपत्ति लेने का अधिकारी बनाया। विधवाओं को गोद लेने का अधिकार दिलाया। उनकी शिक्षा पर विशेष बल दिया और उनके लिए आश्रम बनवाए।

आदिवासी, दलित और पिछड़े समाज की स्थिति सुधार कर दिया सम्मानजनक जीवन

देवी अहिल्याबाई होल्कर धार्मिक थीं किंतु अंधविश्वासी नहीं थी। समाज के पिछड़े, व वंचित समुदाय के लिए उन्होंने अनेक साहसिक निर्णय लिए। आदिवासी और दलित, जो समाज से पूरी तरह कटे हुए थे, के लिए ऐसी व्यवस्था की जिससे वे मेहनत कर अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर सकें। आदिवासी कबीलों को उन्होंने जंगलों का जीवन छोड़ गांव में किसानों के रूप में बस जाने के लिए मनाया। उनका दामाद यशवन्त आदिवासी समाज से था। उन्होंने कपड़ा उद्योग में इन सभी जाति के लोगों को प्रशिक्षण दिलवाया और आत्मनिर्भर बनाया। साथ ही उन्हें शिक्षित किया।

माहेश्वरी साड़ियों को बनाने के लिए कुटीर उद्योग की अवधारणा की शुरुआत की

अहिल्याबाई समाज को लेकर इतनी दूरदर्शी थीं कि उन्होंने हर क्षेत्र के विकास के लिए काम किया। माहेश्वरी साड़ियों के उद्योग को स्थापित करने और बढ़ावा देने का काम किया। सन् 1767 में आज से 250 वर्ष पहले कुटीर उद्योग स्थापित किया। गुजरात तथा भारत के अन्य शहरों के बुनकर परिवारों को यहाँ लाकर बसाया। उन्हें घर, व्यापार आदि की सुविधाएँ दीं। सामाजिक, धार्मिक, भौतिक, सांस्कृतिक विकास के साथ-साथ देवी अहिल्या ने अपनी राजधानी को औद्योगिक रूप से समृद्ध करने के उद्देश्य से यहाँ वस्त्र-निर्माण प्रारंभ की योजना बनाई। उन्होंने हैदराबाद के बुनकरों को आमंत्रित किया और अपने पुश्तैनी कार्य महेश्वर में रहकर करने को कहा। इन बुनकरों से अहिल्याबाई का विशेष आग्रह होता था कि वे इन साड़ियों तथा अन्य वस्त्रों पर महेश्वर किले की दीवार पर बनाई गई डिजाइनें बनाएं। वे वैसा ही करने लगे। आज भी साड़ियों के किनारियों पर महेश्वर किले की दीवारों के शिल्प वाली डिजाइनें मिल जायेंगी। इन्दौर के अंतिम महाराजा यशवंत होल्कर के पुत्र युवराज रिचर्ड ने **रेवा सोसाइटी** नामक एक संस्था का निर्माण किया जो आज भी महेश्वर किले में ही महेश्वर साड़ियों का निर्माण करती है।

अहिल्याबाई होल्कर ने दिखा दिया कि मात्र शस्त्र-बल से ही दुनिया को नहीं जीता जा सकता बल्कि प्रेम और धर्म के बल पर भी राज किया जा सकता है। जिस समय चारों ओर अराजकता फैली हुई थी, साधारण गृहस्थ, किसान, मजदूर, अत्यंत हीन अवस्था में थे, समाज अन्धविश्वास, भय-त्रास और रूढ़ियों में फंसा हुआ था उस समय अहिल्याबाई ने अपनी दूरदर्शिता, निष्पक्ष न्याय, धर्म व्यवस्था, प्रेम एवं अपने समर्पित जीवन से अपनी प्रजा को इससे बाहर निकाला। तभी तो उनके जीवन काल में ही उन्हें **देवी** की उपाधि दी गई।

सुपोषित भारत, समर्थ भारत एवं भारत माता की जय के नारों के साथ गूँज उठा राजवाड़ा : लगभग 1500 की संख्या में जनमानस ने की भागीदारी

हमारे देश में समाज के सभी वर्गों में सुपोषण के विषय की महत्ता व आवश्यकता को समझते हुए राष्ट्रीय सेवा भारती ने राष्ट्रीय स्तर पर 1 से 30 सितम्बर 2024 तक सुपोषण सप्ताह मनाना निश्चित किया। **सुपोषण जागरूकता अभियान** भी राष्ट्रीय सेवाभारती का ही उपक्रम है जिसके अंतर्गत सेवा भारती इन्दौर द्वारा महानगर में दिनाँक 22 से 29 सितम्बर 2024 तक सुपोषण सप्ताह मनाया गया। जिसमें कार्य क्षेत्र प्रमुखतया इन्दौर की चयनित 353 सेवा बस्तिया थीं।

एक सप्ताह तक चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्घाटन सैंकड़ों दर्शकों की उपस्थिति में गुरुवार, दिनाँक 19 सितंबर को नगर की ऐतिहासिक धरोहर राजवाड़ा पर प्रातः 8 बजे श्री पराग जी अभ्यंकर (अखिल भारतीय सेवा प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) एवं माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, सांसद जिला धार से श्रीमति सावित्री जी ठाकुर की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही सुपोषण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए बनाई गई 1 किलोमीटर से अधिक लंबी मानव श्रृंखला जिसे बस्तियों से आए जनसमुदाय के साथ साथ संपूर्ण समाज से पधारे गणमान्य नागरिकों ने एक साथ मिलकर निर्मित किया एवं कुपोषण को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लेकर सर्व धर्म सम भाव को साकार किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री पराग जी अभ्यंकर ने उपस्थित जनमानस को सम्बोधित करते हुए सुपोषण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने हमारी प्राचीन भोजन प्रणाली की ओर ध्यान दिलाते हुए आज की पीढ़ी को उसका अनुसरण करने पर बल दिया। पराग जी ने अनुरोध किया कि समाज बस्ती में रहने वाले बंधुओं की आवश्यकताओं को समझे एवं उसे पूरा करने में खुले हृदय तथा मुक्त

हस्त से सहभाग करे तभी एक सबल, सशक्त, विश्व गुरु भारत के निर्माण का स्वप्न पूर्ण होगा।

सुपोषण जागरूकता अभियान के अंतर्गत सुपोषण सप्ताह मानते हुए संपूर्ण मालवा प्रान्त में, लगभग हर जिले में अनेक प्रकार से जागरूकता अभियान चले। **नुक्कड़ नाटकों, मानव श्रृंखलाओं, चित्रकला प्रतियोगिताओं, पोस्टर्स, रैली, व्याख्यानों एवं स्वास्थ्य शिविरों आदि के माध्यम से समाज में सुपोषण के प्रति जागरूकता लाने का सफल प्रयास किया गया।**

रतलाम सेवा भारती द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर दिया गया सुपोषण भारत - समर्थ भारत का संदेश।

उज्जैन नगर के बस्ती क्षेत्रों के रहवासियों के लिए लोकमान्य तिलक विद्यालय परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इस शिविर में डॉ. जया मिश्रा के निर्देशन में चार डॉक्टर्स की टीम ने 150 से अधिक रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएँ निःशुल्क दी।

जिला बड़वानी, डाक्टर अजीत सोलंकी द्वारा बाल शिक्षा केन्द्र नवलपुरा में 65 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिसमें साईं अस्पताल की टीम ने उनका पूरा सहयोग किया ।

दुर्गानगर बस्ती, देवास पर सुपोषण जागरूकता अभियान कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर संपन्न हुआ जिसमें शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. दिव्या (महात्मा गांधी चिकित्सालय देवास) द्वारा सुपोषण एवं कुपोषण पर विशेष जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में आस पास के क्षेत्रों से 100 से अधिक की संख्या में मातृ शक्ति एवं बच्चे सम्मिलित हुए।

नीमच नगर की एकता सेवा बस्ती में सेवा भारती के कार्यकर्ताओं व अ बेडकर शाखा के स्वयं सेवकों द्वारा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने हेतु पत्रक वितरित किए गए। बस्ती की बहनों को स्वच्छता, उचित खानपान तथा स्वास्थ्य की प्राथमिकता के विषय में समझाया गया । साथ ही निकट भविष्य में लगने वाले स्वास्थ्य शिविर में महिलाओं,किशोरियों और बालिकाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहते हुए बढ़ कर हिस्सा लेना है, इसके लिए जागरूक किया गया।

बड़वानी के शासकीय कन्या हाई स्कूल में डॉक्टर चक्रेश जी पहाड़िया ने बच्चों को संतुलित आहार के विषय में जानकारी दी। डाक्टर निशु जैन (महिला एवं प्रसूती रोग विशेषज्ञ) ने गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं, किशोरियों व 6 वर्ष आयु तक के बच्चों में पोषण स्तर सुधार हेतु दिनचर्या में आहार के साथ योग प्राणायाम को भी नियमित करने की सलाह दी साथ ही संतुलित आहार, पोषण की जानकारी दी।

खंडवा, सुपोषण जागरूकता अभियान से प्रेरित होकर आँगन वाडी की बहनों ने लगाई सुपोषण प्रदर्शनी 7

पीतमपुर नगर की महाराणा प्रताप बस्ती के अंतर्गत आने वाली सेवा बस्ती रामानगर में कमलेश जी मौर्य ने "अच्छा आहार और अच्छी दिनचर्या" से स्वस्थ रहने के लिए मार्गदर्शन किया ।

बद्रीनाथ जिला,इन्दौर की जाटव धर्मशाला में आंगनवाड़ियों से पधारी 25 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की प्रथा संपन्न की गई। 10 बच्चों का अन्नप्राशन भी किया गया। गर्भवती महिलाओं को जिला समिति की ओर से पौष्टिक किट वितरित किये गए जिसमें मूंगफली के दाने, गुड, राजगीरे के लड्डू व सत्तू का आटा सम्मिलित था। बच्चों को अन्नप्राशन के लिए दाल और चावल की किट दी गई । कार्यक्रम में कुल 73 महिलाएं, 14 बच्चे, 8 पुरुष उपस्थित थे। कार्यक्रम में कुमुद दीदी (बद्रीनाथ जिला योजना प्रमुख) द्वारा महिलाओं को संतुलित आहार के बारे में जानकारी दी गई।

किला मैदान, धार पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित हुआ जिसमें ब्लड प्रेशर, शुगर, सिकर सेल ,एनीमिया एवं कुपोषण को लेकर भोज हॉस्पिटल की टीम द्वारा परीक्षण किया गया।

खरगोन, मोतीपुरा क्षेत्र के शासकीय माध्यमिक विद्यालय में मा. जिला संघ चालक जी डॉ. अजय जी जैन द्वारा सुपोषित आहार का महत्व बताया गया एवं स्वस्थ शरीर हेतु कौन से आहार ग्रहण करना चाहिए और कौन से आहार का त्याग करना चाहिए, इसकी जानकारी दी गई। बाल शिक्षा केंद्र की बालिकाओं द्वारा 'सुपोषण गीत' की प्रस्तुति दी गई।

सुपोषण जागरूकता अभियान ने दिया छोटी सी सोनल को नया जीवन

सेवा भारती बड़वानी द्वारा नवलपुरा बस्ती में संचालित बाल शिक्षा केंद्र पर आने वाली बालिका सोनल बामनिया का बायां हाथ जन्म से ही नहीं था। सोनल के माता पिता मजदूरी करके आजीविका चलाते हैं और उसका उपचार करने में असमर्थ थे। सुपोषण जागरूकता अभियान के अन्तर्गत जब इस बस्ती में कार्यकर्ताओं का प्रवास हुआ तब इस बालिका की ओर उनका ध्यान गया और सेवा भारती समिति तथा डॉ. चक्रेश जी पहाड़िया के प्रयासों से बालिका को कृत्रिम हाथ उपलब्ध कराया गया।

शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल बड़वानी में जेल अधीक्षक शैफाली तिवारी दीदी ने सुपोषण पर विषय रखा।

स्वावलंबन की ओर बढ़ते कदम

सेवा भारती इंदौर द्वारा संचालित रामजानकी सिलाई केंद्र (विदुर नगर) ने गत पांच वर्षों में न केवल एक सिलाई केंद्र के रूप में, अपितु महिला सशक्तिकरण के एक सशक्त आधार स्तंभ के रूप में अपनी पहचान बनाई है।

इस केंद्र ने महिलाओं को सिलाई में प्रशिक्षित करने के साथ साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यश टेक्नोलॉजी इंदौर का वित्तीय सहयोग इस सिलाई केंद्र के लिए उत्प्रेरक सिद्ध हुआ है, जिसने इसके संसाधनों और उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि की है।

अभी तक 250 से अधिक महिलाओं को व्यापक सिलाई प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। प्रशिक्षण के साथ-साथ उत्पादन पर भी विशेष ध्यान दिया गया, जिससे महिलाओं को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। 60 से अधिक प्रशिक्षित महिलाओं ने अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू किया है जिनमें से 12 महिलाओं ने छोटी मशीनें, 25 महिलाओं ने अम्ब्रेला मशीनें और 10 महिलाओं ने जुकी मशीनें खरीदी हैं। 10 महिलाएं सिलाई संबंधी अन्य कार्यों में भी संलग्न हैं। केंद्र में विभिन्न प्रकार के सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है जिनके माध्यम से महिलाओं में सामूहिकता, समरसता और आत्मविश्वास का भाव विकसित किया जाता है। केंद्र ने महिलाओं को बैंक ऋण लेने में भी सहायता प्रदान की तथा यहाँ निर्मित उत्पादों के लिए बाजार भी उपलब्ध कराया गया है, जिससे महिलाओं ने अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सशक्त की है।

तृतीय पूर्व छात्रा सम्मेलन...बालिका छात्रावास उज्जैन

सेवा भारती उज्जैन द्वारा संचालित बालिका छात्रावास में दिनांक 21 व 22 सितंबर 2024 को तृतीय पूर्व छात्रा सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें मालवा प्रांत के 8 जिलों से छात्रावास की 60 पूर्व बहनों ने सहभागिता की।

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य इन छात्राओं को सेवा भारती से जोड़े रखने के लिए प्रोत्साहित करना, वर्तमान छात्राओं के साथ उनके अनुभवों को साझा करना, उनके साथ दृढ़ संबंध बनाना, उनके योगदान और सफलताओं को सबके समक्ष प्रस्तुत करना जिससे बाकी छात्राएं भी उनसे प्रेरणा ले सकें तथा व्याख्याओं के माध्यम से उनका मार्गदर्शन करते हुए समाज एवं देश के विकास में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित करना था। वर्तमान में इनमें से अधिकांशतः बालिकाएं सम्माननीय पदों पर कार्यरत हैं और समाज में अपना योगदान दे रही हैं।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम में पराग जी अभ्यंकर (अखिल भारतीय सेवा प्रमुख),सुधीर जी (संगठन मंत्री राष्ट्रीय सेवा भारती), जयदेव दादा (अखिल भारतीय छात्रावास प्रमुख), रामेंद्र जी घुरैया (राष्ट्रीय सेवा भारती सदस्य) उपस्थित रहे जिनके प्रेरक उद्बोधनों का लाभ बालिकाओं को प्राप्त हुआ।

छात्रावास अपने सफल 24 वर्ष पूर्ण कर चुका का है, कार्यक्रम में इस लंबी यात्रा के कुछ खट्टे मीठे अनुभव बहनों ने साझा किए। छात्रावास के अनुशासन को उन्होंने अपनी सफलता की महत्वपूर्ण कड़ी बताया। अन्यथा अपने परिवारों से दूर रहकर हर कार्य में इतनी निपुणता लाना संभव नहीं था। बहनों के अनुसार छात्रावास में मिले संस्कारों के कारण आज समाज में उनकी अलग पहचान है, औरों से अलग दिखने का आत्मसंतोष उनके चेहरों पर स्पष्ट प्रतीत हो रहा था। ये बहनें अपने वैवाहिक, व्यवसायिक, शैक्षणिक क्षेत्रों में सफल तो हैं ही और उनके अनुसार यह सफलता छात्रावास में उन्हें मिली शिक्षा व संस्कारों की नींव पर खड़ी है। छात्रावास की सभी पूर्व बहनें अपने अपने कार्यक्षेत्र में यथासंभव अपनी सेवाएं देने को तैयार हैं।

पूर्व छात्रा भुवनेश्वरी ने यह संकल्प लिया कि वह 1 वर्ष तक छात्रावास में सह अधीक्षिका के रूप में अपनी सेवाएं देते हुए अपनी शिक्षा भी नियमित रखेंगी एवं भविष्य में भी सेवा भारती छात्रावास में सक्रिय रूप से कार्य करने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी।

इसी प्रकार एक अन्य पूर्व छात्रा हैं सपना वास्केल, जिनके लिए छात्रावास सबसे बड़ा प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने इस कार्यक्रम में आकर यह संकल्प लिया कि भविष्य में जब वे सक्षम हो जाएंगी तो शिक्षा दान करना चाहेंगी और उसके लिए सबसे पहले एक बहन का शिक्षा का संपूर्ण व्यय वहन करने के साथ साथ उसकी देखभाल भी वे करेंगी।

छात्रावास के वातावरण और अनुशासन को अपने जीवन का आधार मानने वाली इन बालिकाओं में आज कोई GNM,ANM,CHO,MBBS,BDS,LLB,Steno, व्याख्याता, विजन केयर टेक्नीशियन है तो कोई अपने ही गांव में शिक्षिका बनकर सेवा दे रही है।

छात्रावास एवं प्रशिक्षण केंद्र का भूमि पूजन कार्यक्रम

गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर सेवा भारती इंदौर द्वारा सिद्धार्थ नगर (द्वारिका जिला) में छात्रावास एवं प्रशिक्षण केंद्र के निर्माण हेतु भूमि पूजन दिनांक 21जुलाई 2024 को **डॉ. प्रकाशजी शास्त्री (माननीय संघचालक मालवा प्रांत)** की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस प्रकल्प की तल मंजिल पर मिनी आई टी (प्रशिक्षण केंद्र) का निर्माण प्रस्तावित है जहां विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षणों का आयोजन किया जाएगा।

प्रथम तल पर 50 बच्चों की क्षमता हेतु छात्रावास का निर्माण किया जाएगा। इस अवसर पर रूपेश जी पाल (विभाग कार्यवाह) एवं रविन्द्र जी मालवीय (प्रान्त संगठन मंत्री) के साथ

संरक्षण मंडल सदस्य, इंदौर विभाग समिति सदस्य एवं द्वारिका जिला समिति सदस्य उपस्थित थे।

चलित चिकित्सालय का शुभारंभ

द्वारे द्वारे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु संकल्परत

भैया जी दाणी सेवा न्यास एवं सेवा भारती, इंदौर महू शाखा द्वारा मानपुर क्षेत्र में समाज के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु चलित चिकित्सालय का लोकार्पण किया गया। डॉ. अनुराग पनवेल ने मानपुर के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में उत्तम स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव होने से चलित चिकित्सालय के महत्व को स्पष्ट किया। विशेष रूप से सिकल सेल जैसी बीमारियों से पीड़ित रोगियों के लिए यह एक वरदान है।

चलित चिकित्सालय के सुचारू रूप से संचालन के लिए मानपुर क्षेत्र को 6 सेक्टरों में विभाजित करके, प्रत्येक सेक्टर में सप्ताह में एक दिन मेडिकल वैन सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

मेडिकल वैन में डॉक्टर, नर्स और आवश्यक दवाएं उपलब्ध रहेंगी। कार्यक्रम में अनिल जी सोलंकी (माननीय जिला

संघचालक महू), नंद किशोर जी नागर (प्रान्त सह सेवा प्रमुख) सहित संघ व सेवा भारती के अन्य अधिकारीगण तथा समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कला कौशल प्रदर्शनी

हस्तनिर्मित राखियों एवं लड्डू गोपाल जी के वस्त्रों का प्रदर्शन व विक्रय

सेवा भारती नीमच द्वारा संचालित बालिका छात्रावास **सेवा मंदिर** की बालिकाओं द्वारा हस्तनिर्मित राखियों की 3 दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन दिनांक 07/08/2024 को हुआ। प्रदर्शनी में विक्रय के लिए रखी गई राखियों के साथ साथ लड्डू गोपाल जी के लिए बनाई गई पोशाकों को सभी ने सराहा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. ममता जी खेडें (SDM) थीं जिन्होंने बालिकाओं की इस कला प्रदर्शनी को प्रोत्साहन दिया। कार्यक्रम का सम्पूर्ण संचालन एवं प्रस्तुतियां बलिकाओं द्वारा सम्पन्न हुई।

कार्यक्रम के समापन के उपरांत सभी ने बालिकाओं द्वारा बने उत्पादों का क्रय किया जिन्हें बालिकाओं द्वारा निर्मित पेपर बैग्स में ही रख कर दिया गया।

प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

बस्ती की बहनों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से उज्जैन विभाग के नागदा नगर की सुभाष सेवा बस्ती में एक माह के लिए **अहिल्या माता प्रशिक्षण केंद्र** का शुभारंभ हुआ। दीपावली जैसे बड़े त्यौहारों पर विशेष रूप से घरों में काम आने वाले हस्तनिर्मित उत्पादों की माँग रहती है। अतः ऐसी कुछ कला कौशल की वस्तुओं जैसे बंधनवार, थाल पोश आदि के निर्माण का प्रशिक्षण राष्ट्रीय सेविका समिति की बहनों द्वारा दिया जाएगा। उनके द्वारा बनाई गई सामग्री का विक्रय दिवाली पर होगा। इससे जहाँ इन बहनों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी वहीं प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद इनको व्यवसाय के नए अवसर भी प्राप्त होंगे।

नर सेवा नारायण सेवा

प्रतिवर्ष गुरु पूर्णिमा पर **श्री धूनी वाले दादाजी मेला** में निशान लेकर लाखों भक्त 300-400 कि.मी. दूर से,1 माह पूर्व से पैदल, बिना चप्पल के आना शुरू हो जाते हैं। खण्डवा तक आते-आते इन भक्तों के पैरों में छाले पड़ जाते हैं। बहुत से अस्वस्थ हो जाते हैं। ऐसी परिस्थितियों में सेवा भारती इकाई हरसूद जिला ओम्कारेश्वर खण्डवा विभाग द्वारा निरंतर 3 दिवस तक चलने वाले इस मेले में जगह जगह पर होने वाले विशाल भंडारों में सहयोग के साथ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई गई। बैतूल चौराहा, कोपाल (मध्यप्रदेश) एवं पांडूरना (महाराष्ट्र) के संगम पर चिकित्सा सेवा डॉ. डी पी अग्रवाल, डॉ. एस रघुवंशी एवं डॉ. महेश जी जैन (मा. जिला संघचालक ओम्कारेश्वर) द्वारा दी गई।

स्वयंसेवकों द्वारा दवाई वितरण एवं पैर के छालों पर दवा एवं पट्टी की गई। स्वयंसेवकों द्वारा की जाने वाली इस निःस्वार्थ सेवा एवं सहयोग से दादाजी भक्तों को अपार प्रसन्नता और सांत्वना मिलती है।

बाल शिक्षा केन्द्र के बच्चों को मिला मंच - बच्चों ने दी सुमधुर प्रस्तुतियाँ

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित हुआ राष्ट्रवंदना कार्यक्रम

सेवा भारती रतलाम द्वारा स्वतन्त्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रवंदना थीम पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग सभी प्रस्तुतियां सेवा बस्तियों में संचालित बाल शिक्षा केन्द्र के बच्चों द्वारा दी गई। विशेष रूप से इन बच्चों के लिए आयोजित इस

गीत आदि तो उन्हें कंठस्थ होते हैं किंतु समाज के सामने अपनी प्रतिभाओं को उजागर करने एवं उनके सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए सेवा भारती ने इस विशेष कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर बच्चों को बड़ा मंच प्रदान किया।

कार्यक्रम की तैयारियां 1 माह पूर्व प्रारंभ कर दी गई थी। कार्यक्रम में

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के समक्ष सेवा भारती के कार्यों की जानकारी देने के साथ ही केन्द्र पर आने वाले बच्चों में बोलने की क्षमता, उनमें आत्मविश्वास की भावना बढ़ाना था। श्लोक, भजन, सेवा भारती द्वारा संचालित गुरुजी बालक छात्रावास के बालकों सहित समग्र समाज आमंत्रित था जिनके समक्ष इन बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां दीं।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन

माधव सेवा न्यास उज्जैन द्वारा संचालित धनवंतरी आरोग्य रथ के द्वारा पंचकोशी मार्ग स्थित ग्राम पंचायत मानपुरा (लालपुर) में नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा संचालित किया गया। इस शिविर में मधुमेह, गठिया, पथरी, बांझपन, लकवा, कैंसर, हृदय रोग, गुर्दे के रोग, महावारी रोग, दमा रोग, बवासीर अर्श रोग का निदान किया गया। शिविर में चर्म रोग का निदान आयुर्वेदिक पद्धति से किया गया। शिविर में मुख्य रूप से वैद्य एसएन पांडे, वैद्य विनोद कुमार बैरागी, वैद्य ओपी पालीवाल, वैद्य हेमंत रावल, वैद्य शिरोमणि मिश्रा, वैद्य दिवाकर पटेल, वैद्य रामतीर्थ शर्मा, वैद्य लवीना ठाकुर, वैद्य रविंद्र सिंह भाटी सहित कई डॉक्टर की टीम उपस्थित रही। शिविर में पहुंचे डॉक्टर और जनप्रतिनिधि द्वारा वृक्ष महोत्सव के अवसर पर वृहद वृक्षारोपण भी किया गया।

सेवा भारती मंदसौर, विक्रांत आई हॉस्पिटल एवं जिला अंधत्व निवारण समिति मंदसौर के संयुक्त तत्वाधान में ग्राम मंडला फौजी में नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन एवं नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 150 से अधिक रोगियों का सफल परीक्षण किया गया तथा 20 रोगियों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया, जिनका ऑपरेशन विक्रांत आई हॉस्पिटल मंदसौर में नि:शुल्क किया जाएगा।

सेवा भारती जिला बड़वानी द्वारा नवलपुरा सेवा बस्ती में संचालित बाल शिक्षा केन्द्र पर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर संपन्न हुआ जिसमें 30 रोगियों ने स्वास्थ्य लाभ लिया ।

रक्तदान महादान सेवा भारती उज्जैन, इंद्रानगर सेवा बस्ती समिति के सहयोग से रक्तदान शिविर लगाया। शिविर में 33 यूनिट रक्तदान किया गया।

सेवा भारती खंडवा द्वारा चंपा तालाब बस्ती के केशव संस्कार केंद्र के पास चौराहे पर निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवाई वितरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें खंडवा के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी निःशुल्क सेवाएं दी। डॉ. सुभाष जैन (नेत्र विशेषज्ञ), डॉ.सचिन पाटिल(जनरल सर्जन), डॉ. कविश झंवर (कान-नाक-गला विशेषज्ञ), डॉ.कीर्ति जैन (बाल रोग विशेषज्ञ), डॉ. रश्मि चौहान(स्त्री रोग विशेषज्ञ) ने अपनी सेवाएं दी जिनसे लगभग 200 की संख्या में जनमानस ने स्वास्थ्य परीक्षण करवाया तथा उन्हें आवश्यकतानुसार दवाइयां उपलब्ध कराई गई ।

अखंड भारत कार्यक्रम का आयोजन

सेवा भारती शाजापुर, देवास द्वारा संचालित शिक्षा केंद्रों पर भारत माता पूजन, आरती और रक्षा बंधन का आयोजन रखा गया। 14 से 17 अगस्त तक चलने वाले इस अखंड भारत आयोजन के अंतर्गत भारत माता पूजन, राष्ट्र भक्ति गीत, भारत माता आरती और मां भारती को रक्षा सूत्र बांधा गया। अंबेडकर शिक्षा केंद्र पर अतिथि के रूप में इटरनल स्कूल ऑफ स्टडीज के डायरेक्टर विशाल जी झाला एवं प्राचार्या सौदमणि जी झाला उपस्थित थे। अतिथियों द्वारा प्रस्तुति देने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया एवं उनका मार्गदर्शन बच्चों को प्राप्त हुआ।

'सेवाधाम' छात्रावास : सामाजिक संस्कृति का अनुपम उदाहरण

सेवा भारती देवास द्वारा संचालित बालक छात्रावास **सेवाधाम**, उदयनगर जहाँ ग्रामीण जनजातीय क्षेत्र से आए 33 बालक शिक्षा के साथ साथ अपनी संस्कृति की महक पूरे नगर में फैला रहे हैं।

आधुनिकता की चकाचौंध से परे ये बालक श्रम साधना में सड़क का कीचड़ भी साफ करने में पीछे नहीं हैं तो दूसरी ओर नगर के प्रमुख मंदिरों की स्वच्छता की जिम्मेदारी का भी वहन कर रहे हैं। पवित्र श्रावण मास में इन बालकों ने प्रतिदिन रामायण का पाठ किया,अखंड भारत संकल्प दिवस व स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सुंदर रंगोली बनाई और श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर नगर के प्रमुख मंदिरों में बाँसुरी वादन भी किया। सीमित संसाधनों में निर्वहन करने वाले ये बालक शिक्षा के साथ साथ अन्य विधाओं में भी पारंगत होकर उनका सदुपयोग सामाजिक गतिविधियों में कर रहे हैं।

बालक छात्रावास का लोकार्पण

सेवा भारती खरगोन द्वारा डॉ. मेजर अनुराधा स्मृति सेवा सदन बालक छात्रावास का लोकार्पण कार्यक्रम दिनांक 25 सितंबर को अनुराधा दीदी के भाई अभिनव जी सांखला, बहन अनामिका जी एवं अमिता जी जैन (अखिल भारतीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय सेवा भारती) की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति राष्ट्रीय सेवा भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री सुधीर कुमार जी की रही। कार्यक्रम से पूर्व रजिस्ट्री के माध्यम से डॉ. मेजर अनुराधा दीदी के निवास स्थान को सेवा भारती खरगोन को सेवा कार्यों के संचालन हेतु समर्पित कर दिया। इस अवसर पर अनुराधा दीदी के जीवन पर उनकी परम मित्र एवं आस्था ग्राम की समस्त चिंता करने वाली कुक्कू दीदी ने प्रकाश डाला। उन्होंने बताया की किस प्रकार अनुराधा दीदी का स पूर्ण जीवन एक सेवा यज्ञ के समान व्यतीत हुआ। अमिता दीदी ने बताया की अनुराधा दीदी ने सदैव एक NGO मुक्त समाज की कल्पना की थी अर्थात ऐसा संवेदनशील और सामर्थवान समाज जहाँ किसी सेवा संगठन की कोई आवश्यकता ही न हो। कार्यक्रम में एक और भामाशाह परिवार ग्राम डाल्की के सोहन जी पाटीदार, बलिराम जी पाटीदार, सलिता जी एवं रमु बाई पाटीदार,

इन चार भाई बहनों ने अपनी पैत्रक संपत्ति 9 एकड़ कृषि भूमि सेवा प्रकल्प के संचालन के लिए सेवा भारती खरगोन को रजिस्ट्री के माध्यम से समर्पित कर दी। इस अवसर पर चारों भाई-बहनों को स मानित किया गया। इसी कार्यक्रम में सेवा भारती खरगोन की वेबसाइट का शुभारंभ सुधीर जी द्वारा किया गया।

https://sevabharatikhargone.org यह वेबसाइट श्री शरद गवली एवम उनकी टीम के युवा विद्यार्थियों द्वारा निःस्वार्थ भाव से कार्य कर विकसित की गई। इस वेबसाइट में सेवा खरगोन के कार्यों की न केवल संपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी अपितु समाजजन सेवा कार्यों हेतु अपना सहयोग भी दे सकेंगे।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मान. जिला संघचालक डॉ. अजय जी जैन, **राष्ट्रीय सेवा भारती के पूर्णकालिक, अखिल भारतीय CSR प्रमुख रामेन्द्र जी घुरैय्या व प्रान्त संगठन मंत्री रविन्द्र जी मालवीय उपस्थित थे।**

स्वावलंबन की ओर पहला कदम

बस्ती की बहनों ने सावन मेले में लगाया अपना स्टॉल

सेवा भारती इन्दौर जगन्नाथ जिला, राणा बख्तावर सिंह नगर, शांति नगर बस्ती में संचालित टंट्या मामा सिलाई केंद्र पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही बस्ती की बहनों ने लाभम रेसिडेंसी में आयोजित सावन मेले में स्टॉल लगाया। स्टॉल में उनके द्वारा बनाए गए उत्पाद प्रदर्शन एवं विक्रय के लिए रखे गए थे। बस्ती की बहनों ने आपसी सामंजस्य

स्थापित कर सुबह से रात्रि तक 2-2 घंटे का समय दिया। इन उत्पादों को सभी ने बहुत सराहा और अच्छा प्रतिसाद मिला।

बहनों का यह प्रथम प्रयास था जिसके कारण जहाँ उनमें आत्मविश्वास की वृद्धि हुई वहीं मेले में आई कई महिलाओं ने उनके साथ आगे काम करने की इच्छा व्यक्त की है।

कला कौशल प्रशिक्षण वर्ग–पुनर्जीवित किया प्राचीन कला को

सेवा भारती झाबुआ द्वारा ग्रामीण वर्ग को व्यवसाय के नए अवसर प्रदान करने हेतु 5 दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग लगाकर पत्तल दोने बनाने की कला को पुनर्जीवित किया गया

सेवा भारती द्वारा संचालित प्रकल्प जनजातीय सशक्तिकरण केंद्र अपने विभिन्न कौशल विकास के कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण वर्गो के लिए जाना जाता है। इन प्रशिक्षणों के माध्यम से युवाओं को तो स्वावलंबी बनाने के लिए एक सशक्त आधार उपलब्ध कराया जा ही रहा है साथ में ग्रामीण महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनाने हेतु निरंतर प्रयास किए जाते हैं। इसी कड़ी में (पूर्व में 2 प्रशिक्षण वर्गो का प्रयोगात्मक आयोजन हो चुका), महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत खालसा ग्राम की महिलाओं को पत्तल दोने बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस 5 दिवसीय वर्ग में प्रतिदिन 3 घंटे के प्रशिक्षण द्वारा 8000 पत्तल और दोने का निर्माण किया गया जिसमें पलाश तथा कदंब वृक्ष के पत्तों और नीम के छोटे पतले तिनकों का उपयोग किया गया।

पत्तल दोने दिखने में जितने साधारण होते हैं इनके बनाने की प्रक्रिया उतनी ही कठिन तथा पर्यावरण की दृष्टि से उतने ही लाभकारी। पर्यावरण अनुकूलन के साथ जैविक कृषि, हार्ड ह्यूम्स निर्माण में ये पत्तल दोनो का कचरा सबसे अधिक महत्व रखता है। चूंकि इन्हें बनाने व सुखाने की प्रक्रिया तेज धूप के स्थान पर हवादार स्थान पर सुखाया जाता है। इसलिए इसके सभी गुण संग्रहित रहते हैं और उपयोग के बाद अन्न के जो कण चिपके रह जाते हैं वो कण केंचुवे के भोजन हेतु अत्यधिक पोषणयुक्त होने से जल्दी ही अवशोषित हो कर खाद में परिवर्तित हो जाते हैं। इसका प्रत्यक्ष प्रयोग केंद्र पर किया जा चुका है।

वर्तमान समय में कागज, पोलिथीन, प्लास्टिक के पात्र आ जाने से पत्तल दोने जैसे प्राकृतिक पात्रों का चलन लगभग बंद हो चुका था। ऐसे में इस कला को पुनर्जीवित करने का कार्य प्रशिक्षण वर्ग के माध्यम से किया गया साथ ही इनके विक्रय की व्यवस्था भी कार्यकर्ताओं द्वारा की जा रही है। निरंतर इनकी मांग में वृद्धि होने से ग्रामीण वर्ग के पास भी जीविकोपार्जन के लिए व्यवसाय के अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

एम्बुलेंस सेवा लोकार्पण

सेवा भारती द्वारा संचालित जनजातीय सशक्तिकरण केंद्र बड़ा घोसलिया, झाबुआ में गत वर्ष वर्षाकाल में 120 गावों में निःशुल्क जांच शिविरों का आयोजन किया गया था जिसमें लगभग 21000 ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इससे प्रभावित होकर भारतीय पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने केंद्र को सर्व सुविधा युक्त चलित चिकित्सालय (एंबुलेंस) प्रदान की। यह एंबुलेस अति दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में 3 घंटे का स्वास्थ्य परीक्षण एवं सिकल सेल के लिए जागरण का कार्य करेगी।

इस चलित चिकित्सालय का जिला स्वास्थ्य अधिकारी(CHMO) के मार्गदर्शन तथा जिले के 100 डॉक्टर्स की उपस्तिथि में लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉक्टर बीएस बघेल (जिला चिकित्सा अधिकारी झाबुआ), डॉक्टर अरविंद सिंह दातला (सीनियर डॉक्टर निर्मल सिंह भरपोड़ा) उपस्थित थे।

भीमा नायक वनांचल सेवा समिति एवम भैया जी दाणी सेवा न्यास द्वारा निर्मित, सेवा भारती इंदौर द्वारा संचालित

जीवन उमंग बालिका छात्रावास, मालवई आलीराजपुर

मालवा प्रान्त का आलीराजपुर देश का सबसे कम साक्षर जिला होने के साथ साथ सबसे अधिक पिछड़ा हुआ भी है। यहां की भौगोलिक स्थिति पहाड़ी है, और अधिकांश जनसंख्या जनजातीय समाज की है जो शहर के आस-पास के छोटे गाँवों में रहते हैं। अतः इस क्षेत्र की वे बालिकाएं जो आगे पढ़ना और बढ़ना तो चाहती हैं परंतु उन्हें उचित अवसर नहीं मिलने के कारण, अभिभावकों की वित्तीय क्षमता, विद्यालय की दूरी होने के कारण या अन्य संबंधित सामाजिक कारणों से उन्हें अपनी शिक्षा जारी रखने के अवसर से वंचित रहना पड़ गया हो, ऐसी बालिकाओं को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए समर्थ बनाने, उन्हें संस्कारी व स्वावलंबी बनाने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए इन अभावों को दूर करते हुए उचित वातावरण एवं संसाधन उपलब्ध कराना तथा एक संस्कारित, शिक्षित एवं स्वावलंबी समाज का निर्माण कर भारत को समृद्ध बनाने जैसे उद्देश्यों को लेकर प्रारंभ हुए जीवन उमंग बालिका छात्रावास के भवन का निर्माण लगभग 3 करोड़ की लागत से,100 बालिकाओं की आवासीय क्षमता के साथ लगभग 8000 वर्ग फीट भूमि पर हुआ है। इंदौर महानगर के कुछ बड़े व्यवसायी एवं समाजसेवियों (सेवा भारती इंदौर संरक्षण मंडल के सदस्य) तथा स्थानीय सहयोगियों के सामूहिक प्रयासों से 40,000 वर्गफीट क्षेत्रफल का भूखंड इस पवित्र कार्य के लिए सेवा भारती को उपलब्ध कराया गया। फरवरी 2022 में इसका भूमि पूजन बलिराम जी पटेल (मालवा प्रान्त प्रचारक) के कर कमलों से हुआ। लोकार्पण कार्यक्रम भूपेश जी कसेरा(माननीय संघचालक धार विभाग) एवम श्री पराग जी अभ्यंकर(अखिल भारतीय सेवा प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) की उपस्थिति में दिनांक 5 सितंबर 2023 को संपन्न हुआ।

जुलाई माह 2023 में 48 बालिकाओं के साथ छात्रावास प्रारंभ हुआ जिसमें कक्षा 6ठीं से 11वीं तक की बालिकाएं सम्मिलित थीं। छात्रावास में बालिकाओं के आवास के लिए 16 कक्ष, अध्ययन के लिए 6 कक्ष (जिसमें एक पुस्तकालय व एक प्रस्तावित कंप्यूटर लैब सम्मिलित है) तथा एक भोजन कक्ष निर्मित है। वर्तमान में 58 बालिकाएं यहाँ निवासरत हैं जिनकी सभी आवश्यकताओं की व्यवस्था एवं उनका संपूर्ण विकास एक पारिवारिक वातावरण में हो इसकी चिंता वहां की अधीक्षिका श्रीमति दीपिका कनेश एवं महिला समिति करती है। छात्रावास में बालिकाओं को दैनिक जीवन में नित्य उपयोग आने वाली वस्तुओं के निर्माण करने का कौशल भी दिया जा रहा है। इससे जहाँ वे गृह कार्यों में दक्ष होने के साथ साथ विभिन्न कलाओं में पारंगत हो रही हैं वहीं अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आत्मनिर्भर भी हो रही हैं। छात्रावास की टोली ने निकटवर्ती 5 गांवों को चयनित किया है जिनमें बालिकाएं संस्कार ,शिक्षा, धर्म जागरण, सामाजिक नेतृत्व के अनेक कार्य व कार्यक्रम (कलश यात्रा, ध्वज यात्रा, गणेश स्थापना,पौधा रोपण आदि) आयोजित करती हैं। इन आयोजनों से बालिकाओं में आत्मविश्वास, वक्तृत्व कला, स्वयं के भावों को प्रदर्शित करने की कला तथा समूह में कार्य करने की कला का विकास हुआ। छात्रावास में दिए जा रहे संस्कारों से इनमें शिष्टाचार की वृद्धि हुई है। जब ये अपने गांव जाती हैं तो आस-पास के सभी बच्चों को पढ़ाना, योग, सूर्य नमस्कार, खेल कूद आदि करवाना उनकी दिनचर्या में सम्मिलित है। माध्यमिक शाला की बहनें पास ही के मालावाई स्थित विद्यालय में अध्ययनरत हैं। छात्रावास की बालिकाओं के कारण विद्यालय में भी बहुत परिवर्तन आया है । पहले इस विद्यालय की स्थिति बहुत ही क्षतिग्रस्त थी। बालिकाओं के जाने से विद्यालय में 3 नए कक्ष, शौचालय का पुनर्निर्माण, मध्यान भोजन आदि सुचारू होने लगे हैं। जहाँ पहले मात्र 30 बच्चे ही विद्यालय में आते थे वहीं अब 150 बच्चे नियमित रूप से आते हैं। हाई स्कूल के बहनें आलीराजपुर गर्ल्स स्कूल में अध्ययनरत हैं। गत माह 9th की बहनों ने नगर स्तर पर खो-खो प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिकाओं के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देने वाली समिति एवम सेवा भावी समाज जन के सहयोग से ये बालिकाएं अपना जीवन निर्माण कर रही हैं।

छात्रावास के बालक/बालिकाओं ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में मारी बाजी

विभिन्न प्रकार के खेलों का विशेष शारीरिक एवं मानसिक महत्व होता है। खेल बच्चों में तनाव को कम करके उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ सहयोग करने के कौशल निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सेवा भारती नीमच द्वारा संचालित कन्या छात्रावास **सेवा मन्दिर** सी.एम.राईस विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा 7 वी की बालिका पलक व वर्षा का जिला स्तर पर कबड्डी मिनी टीम में चयन हुआ और टीम ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर विजय प्राप्त की।

सेवा भारती नीमच द्वारा संचालित बालिका छात्रावास **सेवा मंदिर** की कक्षा 9 वीं की बालिका कुमारी सीमा सिंगाड ने शा.बा. क्र. 2 विद्यालय में चलने वाली जिला स्तरीय(अंडर 17) कराटे प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विजेय प्राप्त की।

सेवा भारती रतलाम द्वारा संचालित श्री गुरुजी बालक छात्रावास के 3 बालकों का चयन संभागीय खेल प्रतियोगिता में हुआ। कमल पारगी ने 400 मीटर दौड़ में जिला स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। आयुष निनामा ने ऊंची कूद(मिनी) प्रतियोगिता में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा आशीष निनामा ने ऊंची कूद (जूनियर वर्ग) में द्वितीय तथा 100 मीटर दौड़ में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सीएम राइस स्कूल, रतलाम में अध्ययनरत इन बालकों का संभागीय स्तर प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है।

सेवा भारती द्वारा संचालित जीवन उमंग बालिका छात्रावास मालवई,आलीराजपुर की 11वीं की बालिकाओं ने कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लिया तथा ब्लॉक स्तर सोंडवा टीम और जोबट टीम को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा 9 की बालिका निर्मल का चयन जिला खरगोन में कबड्डी प्रतियोगिता के लिए हुआ।

सेवा भारती इन्दौर द्वारा संचालित दिशा प्रतियोगी परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र की छात्रा दीक्षा निकाडजे मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की कराधान सहायक 2022 परीक्षा में चयनित हुई।

सेवा भारती उज्जैन द्वारा संचालित डॉ.भीमराव रामजी अंबेडकर बालक छात्रावास की कक्षा आठवीं के छात्र हिमांशु हिंदल का चयन मध्य प्रदेश शासन द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय एकल गीत प्रतियोगिता के लिए हुआ था जो 12 सितम्बर को जबलपुर में आयोजित हुई। हिमांशु ने इस प्रतियोगिता में **गीत - कचरा निकाल गाड़ी वाला आया** के एकल गायन में तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

निराश्रित गौवंश का आश्रय स्थल : माधव आश्रम न्यास, मंडलेश्वर

नर्मदा नदी के तट पर मिल रहा है निराश्रित गायों को समुचित संरक्षण

निराश्रित गोवंश का सरंक्षण एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। देश में सैंकड़ों गौवंश निराश्रित सड़कों पर घूमते रहते हैं जो आए दिन दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं। कुछ बीमार हो जाने से कृषक के लिए अनुपयोगी हो जाते हैं, कुछ गाय जो दूध देना बंद कर देती हैं वे कृषकों को बोझ लगती हैं एवं कृषक अपना भार कम करने के लिए उन्हें खुला छोड़ देते हैं । ऐसे गौवंशों की सेवा तथा ग्राम विकास के लक्ष्य को लेकर सन् 2003 में इन्दौर महानगर में माधव आश्रम न्यास की स्थापना हुई। लगभग 50 गायों के साथ गौशाला प्रारंभ हुई और इसकी बागडोर संभाली श्री अरविंद जी जोशी ने जिन्होंने 20 वर्ष इस संस्था को दिए।

2012 में इस गौशाला को मंडलेश्वर में नर्मदा के तट पर शासन के सहयोग से प्राप्त 9 एकड़ के भूखण्ड पर स्थानांतरित किया गया। वर्तमान में माधव आश्रम 225 निराश्रित गायों का आश्रय स्थल है जहां 2 गौशालाओं का निर्माण हो चुका है और 500 गायों के आश्रय की व्यवस्था का लक्ष्य लेकर अब तीसरी गौशाला के लिए प्रयासरत हैं। संस्था द्वारा गौसेवा के साथ साथ ग्राम विकास को ध्यान में रखते हुए आज पास के किसानों को भी जैविक खाद निर्माण के लिए प्रेरित कर प्रशिक्षण दिया जाता है। एक समय में 50 से 100 की संख्या में किसानों के मध्य जैविक खाद के महत्व को समझाकर पशुधन की रक्षा के लिए जागरूक किया जाता है । कोरोना काल के बाद से गौमाता की देखभाल के साथ साथ गाय के नर बछड़ों को, जिनका देखा जाए तो कोई उपयोग नहीं होता, निमाड़ी बैल के रूप में तैयार किया जाता है तथा इनको अत्यंत कम मूल्य पर किसानों को उनकी आवश्यकतानुसार उपलब्ध कराया जाता है। निमाड़ क्षेत्र में बड़े स्तर पर कपास की खेती होती है जहां इनका उचित उपयोग होता है। आश्रम के परिसर में ही भारत माता मंदिर की स्थापना हुई

है, जहां से **विवेकानंद ध्यान केंद्र** का संचालन किया जाता है। केंद्र में नर्मदा की परिक्रमा लगाने आए श्रद्धालुओं के लिए रात्रि विश्राम की निःशुल्क व्यवस्था तो रहती ही है साथ ही उनके ध्यान लगाने हेतु केंद्र में उचित वातावरण उपलब्ध कराया जाता है। पूरे गौशाला परिसर में पर्यावरण की दृष्टि से 2000 बांस के पौधों का रोपण किया गया है। सन् 2018 में यहां औषधीय पौधों की नक्षत्र वाटिका निर्मित की गई। देशभर से औषधीय पौधों का संकलन करके उन्हें यहां अनुकूल वातावरण देकर बड़ा किया जा रहा है। माधव आश्रम न्यास एवम स्थानीय कार्यकर्ताओं की संचालन समिति मिलकर गौशाला की व्यवस्था देखते हैं तथा समाज के सहयोग से इस गौशाला की संपूर्ण व्यवस्थाएं की जाती हैं। भविष्य में संस्था द्वारा गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने की प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है। शीघ्र ही वर्मी कंपोस्ट, गौ मूत्र एवं अन्य गोमय के उत्पाद आदि का वृहद स्तर पर उत्पादन आरंभ होगा।

आपदा प्रबंधन – जहाँ कोई नहीं वहाँ हम

देवास नगर के निकट नागदा ग्राम के जंगल में केदार खो नामक स्थान पर एक शिव मन्दिर है। श्रावण मास में सोमवार के दिन देवास के चार युवा शिव मंदिर में दर्शन हेतु पहुँचे। मन्दिर पहुँचने के मार्ग में एक नाला था जो भारी वर्षा के कारण उफान पर आ गया जिससे वे चारों युवक जंगल में फंस गए।

सूचना मिलने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर सह-सेवा प्रमुख अपने साथी स्वयंसेवकों के साथ जंगल में गए और उफनता नाला पार कर उन चारों युवकों को ढूंढ निकाला। घबराये युवकों को ढांढस बंधा कर पहले स्थिर किया, फिर अन्य स्वयंसेवकों, सेवा भारती के कर्तकर्ताओं एवं ग्राम वासियों के सहयोग से सभी को सकुशल नाला पार करवाया।

सेवा भारती कार्यालय इंदौर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में संकल्प कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र के 30 विद्यार्थियों को उनके सफलतापूर्वक कोर्स पूरा करने पर प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम, मुख्य अतिथि डॉक्टर वैशाली माहेश्वरी एवं इन्दौर विभाग कोषाध्यक्ष राजेश जी खंडेलवाल की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

माधव सेवा न्यास, उज्जैन द्वारा संचालित कम्प्यूटर प्रशिक्षण केंद्र शिवगढ़ जिला रतलाम के छात्र-छात्रों को DCA-PGDCA के रिजल्ट प्रदान किये गये। सिलाई प्रशिक्षण लेने वाली बहनों ने अपने द्वारा सिलाई किये कपड़ों का प्रदर्शन भी किया ।

सेवा भारती उज्जैन द्वारा नगर के बस्ती क्षेत्रों में मेहंदी, ब्यूटीपार्लर व सिलाई प्रशिक्षण के लिए विशेष ग्रीष्मकालीन शिविरों का आयोजन किया गया था। प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात 132 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

कल्पना चावला किशोरी विकास प्रकल्प पर छात्रावास की बहनों द्वारा राखी प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण छात्रावास की कक्षा 9 वीं की बालिका मनीषा तथा आयुषी ने दिया। यह प्रशिक्षण प्रकल्प पर आने वाली बालिकाओं के साथ साथ उनकी माताओं ने भी लिया।

सेवाभारती, इंदौर जगन्नाथ जिला राणा बख्तावर नगर और शिव दर्शन नगर की 5 बस्तियों से किशोरी विकास प्रकल्प से चयनित 20 बालिकाओं को बैंक कार्यप्रणाली की जानकारी देने हेतु पंजाब नेशनल बैंक में भ्रमण पर ले जाया गया

सेवा भारती द्वारा संचालित बालिका छात्रावास जीवन उमंग मालवई आलीराजपुर में बालिकाओं द्वारा पास ही के प्राचीन पंचलिंगेश्वर मंदिर की सफाई एवं खरपतवार उखाड़ने का कार्य तथा उनके स्थान पर फूलदार पौधरोपण किया गया।

स्मरणीय विभूतियाँ

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं
स्वतंत्र भारत के दूसरे प्रधानमंत्री
जन्म दिवस 2 अक्टूबर

भगिनि निवेदिता
भारत की महान पुत्री
जन्म दिवस 28 अक्टूबर

सरदार वल्लभ भाई पटेल
भारत के लौहपुरुष
जन्मदिवस 31 अक्टूबर

गुरु गोविंद सिंह
सिक्खों के दसवें गुरु
पुण्य तिथि 6 नवम्बर

भगवान बिरसा मुंडा
जनजातीय गौरव दिवस
जयंती 15 नवंबर

लाला लाजपतराय
प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी
पुण्यतिथि 17 नवम्बर

झांसी की रानी लक्ष्मीबाई
1857 स्वतंत्रता संग्राम की वीरांगना
जयंती 19 नवम्बर

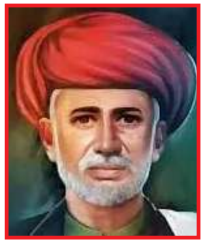

महात्मा ज्योतिबा फुले
समाज सुधारक, समाज सेवी
पुण्यतिथि 28 नवम्बर

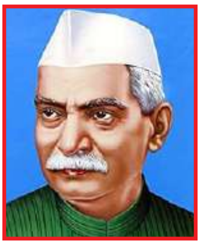

डॉ राजेन्द्र प्रसाद
भारत के प्रथम राष्ट्रपति
जन्मदिवस 3 दिसम्बर

डॉ भीमराव अंबेडकर
लोकप्रिय विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री
पुण्यतिथि 6 दिसम्बर

महत्वपूर्ण त्यौहार व दिवस

03 अक्टूबर - शारदीय नवरात्रि प्रारंभ
11 अक्टूबर - महाष्टमी
12 अक्टूबर - विजयादशमी
16 अक्टूबर - शरद पूर्णिमा
20 अक्टूबर - करवा चौथ व्रत

29 अक्टूबर - धनतेरस
31 अक्टूबर - दीपावली
10 नवम्बर - आँवला नवमी
12 नवम्बर - देवउठनी एकादशी
11 दिसम्बर - गीता जयंती

बुक–पोस्ट
सेवा पथिक

डाक वितरण नहीं होने की स्थिति में लौटाएँ –
प्रेषक : सेवा भारती
34, तिलकपथ नागपुर नागरिक सह. बैक
के ऊपर इन्दौर म.प्र. – 452007
फोन नं. 0731–2548483